hi - Hindi

उलुरु स्टेटमेंट फ़्रॉम दि हार्ट

Uluru Statement from the Heart

Sunrise Over Uluru, Uluru Climb Closure, 2019
Photo by Jimmy Widders Hunt

The Uluru Statement from the Heart

The Uluru Statement from the Heart translation project is a community partnership between the Indigenous Law Centre, UNSW, the North Sydney Council and the Reconciliation Network Northern Sydney Region.

UluruStatement.org

हम, जो दक्षिणी आकाश के नीचे बसे सभी स्थल-बिंदुओं से आकर 2017 के राष्ट्रीय संवैधानिक सम्मेलन में एकत्र हुए थे, हृदय से यह अभिव्यक्त करते हैं:

हमारी आदिवासी (Aboriginal) और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर जनजातियाँ ऑस्ट्रेलियाई महाद्वीप और उसके आस-पास के द्वीपों की पहली संप्रभु राष्ट्र थीं, और यह हमारा था जिसमें हमारे अपने कानून और रीति- रिवाज थे। यह हमारे पूर्वजों ने, इसकी सर्जना से चली आ रही हमारी संस्कृति के अनुसार, 'अति प्राचीन काल' से चले आ रहे सामान्य कानून के अनुसार एवं विज्ञान के अनुसार 60,000 से भी अधिक वर्षों पूर्व किया था।

यह संप्रभुता *एक आध्यात्मिक धारणा है: भूमि, या 'प्रकृति माता' और उन आदिवासी (Aboriginal) एवं टोरेस स्ट्रेट आइलैंड के लोगों के बीच पैतृक संबंध, जो कि उससे पैदा हुए थे, उससे जुड़े रहे हैं, और जिन्हें हमारे पूर्वजों के साथ एकजुट होने के लिए एक दिन वापस चले जाना है। यह संबंध-सूत्र मिट्टी के स्वामित्व का आधार है, या बेहतर कि, संप्रभुता का।* इसे कभी भी त्यागा या समाप्त नहीं किया गया है और यह क्राउन की संप्रभुता के साथ सह-अस्तित्व में है।

यह किसी और रूप में हो भी कैसे सकता है? उन लोगों के पास यह भूमि साठ सहस्राब्दियों से थी और यह पवित्र कड़ी मात्र पिछले दो सौ वर्षों में विश्व-इतिहास से ग़ायब हो गई?

हमारा मानना है कि पर्याप्त संवैधानिक परिवर्तन और संरचनात्मक सुधार के साथ यह प्राचीन संप्रभुता ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीयता की पूर्ण अभिव्यक्ति के रूप में प्रकाशमान हो सकती है।

आनुपातिक रूप से, इस ग्रह पर कारावासों में रखे गए लोगों में हमारी संख्या सबसे अधिक है। हम स्वभावत: अपराधी लोग नहीं हैं। हमारे बच्चों को अभूतपूर्व संख्या में उनके परिवारों से अलग कर दिया गया है। यह इसलिए नहीं हो सकता है कि हमें उनसे कोई प्रेम नहीं है। और हमारे असंख्य युवा कारावासों में मुरझा रहे हैं। वे भविष्य के लिए हमारी आशा होने चाहिएँ।

हमारे संकट के ये पहलू स्पष्ट रूप से हमारी समस्या की संरचनात्मक प्रकृति को बताते हैं। यह *हमारी शक्तिहीनता की पीड़ा है।*

अपने लोगों को समर्थ बनाने और हमारे अपने देश में एक उचित स्थान प्राप्त करने के लिए हम संवैधानिक सुधार चाहते हैं। जब हमारा अपने भाग्य पर अधिकार होगा तो हमारे बच्चे फले-फूलेंगे। वे दो दुनियाओं में विचरण करेंगे और उनकी संस्कृति उनके देश के लिए उपहार होगी।

हम फ़र्स्ट नेशन्स की आवाज़ की स्थापना और उसे संविधान में प्रतिष्ठापित किए जाने की माँग करते हैं।

मैकराटा हमारे एजेंडे का चरम बिंदु है: *संघर्ष के बाद एक साथ आना* । यह ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ निष्पक्ष और सत्यतापूर्ण संबंध और हमारे बच्चों के लिए न्याय तथा स्वभाग्य-निर्णय पर आधारित बेहतर भविष्य के लिए हमारी आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करता है।

हम सरकारों और फ़र्स्ट नेशन्स के बीच समझौते की प्रक्रिया की निगरानी के लिए और अपने इतिहास के बारे में सच्चाई बताने के लिए मैकराटा आयोग चाहते हैं।

1967 में हमारी गणना हुई थी, 2017 में हम चाहते हैं कि हमें सुना जाना चाहिए। हम बेस कैंप छोड़ रहे हैं और इस पूरे विशाल देश की अपनी लम्बी यात्रा आरम्भ कर रहे हैं। बेहतर भविष्य के लिए ऑस्ट्रेलियाई लोगों के इस आंदोलन में अपने साथ चलने के लिए हम आपको आमंत्रित करते हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया उलुरु संवाद (Uluru Dialogue) की वेबसाइट ulurustatement.org पर देखें या इंडिजिनस लॉ सेंटर यूएनएसडब्ल्यू को ilc@unsw.edu.au. पर ईमेल लिखें।

Guiding Principles

उलुरु स्टेटमेंट फ़्रॉम दि हार्ट (Uluru Statement from the Heart) के मार्गदर्शक सिद्धांत

The Uluru Statement from the Heart

The Uluru Statement from the Heart translation project is a community partnership between the Indigenous Law Centre, UNSW, the North Sydney Council and the Reconciliation Network Northern Sydney Region.

UluruStatement.org

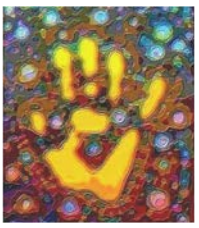

RNNSR

We support THE ULURU STATEMENT

NORTH SYDNEY COUNCIL

INDIGENOUS LAW CENTRE

मार्गदर्शक सिद्धांतों को, जिनसे 'उलुरु स्टेटमेंट फ़्रॉम दि हार्ट' को जानकारी प्राप्त हुई थी, *जनमत-संग्रह परिषद (रेफ़रेंडम काउंसिल) की अंतिम रिपोर्ट* में पृष्ठ 22-28 पर समझाया गया है। मार्गदर्शक सिद्धांत, फ़र्स्ट नेशन्स के राष्ट्रीय संवैधानिक सम्मेलन से पहले (National Constitutional Convention) जो कि 23-26 मई 2017 में आयोजित किया गया था, फ़र्स्ट नेशन्स (First Nations) के क्षेत्रीय संवादों (Regional Dialogues) से सारांश रूप में लिए गए थे।

जनमत-संग्रह परिषद की अंतिम रिपोर्ट बताती है कि:

"राष्ट्रीय सम्मेलन ने संवादों में कर लिए गए कार्यों को पुन: शुरू नहीं किया था। बल्कि, नेशनल कन्वेंशन का कार्य, आम सहमति पर पहुँचने के लिए, संवादों के परिणामों को संकलित करना था।"

"इन सिद्धांतों में फ़र्स्ट नेशन्स द्वारा ऐतिहासिक रूप से की गईं सुधार की घोषणाएँ व माँगें शामिल हैं। उदाहरण के लिए वे, 1963 की बार्क याचिकाओं (पिटिशंस) में, 1988 के बारुंगा स्टेटमेंट, 1993 के ईवा वैली स्टेटमेंट, 1998 के कलकारिंगी स्टेटमेंट, 1995 में एटीएसआईसी (ATSIC) द्वारा सोशल जस्टिस पैकेज पर रिपोर्ट और 2015 के किरिबिली स्टेटमेंट में परिलक्षित होती हैं।"

"वे मूलनिवासी लोगों के अधिकारों और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय मानकों द्वारा समर्थित हैं।"

राष्ट्रीय संवैधानिक कन्वेंशन द्वारा सुधार के विकल्पों के मूल्यांकन को नियंत्रित करने वाले सिद्धांत यह थे कि सुधार के विकल्प केवल तभी आगे बढ़ने चाहिए यदि यह:

1. आदिवासी संप्रभुता और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर संप्रभुता को कम नहीं करता है।
2. यथेष्ट, संरचनात्मक सुधार को शामिल करता है।
3. स्व-निर्णय और मूलनिवासी लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र की घोषणा के तहत स्थापित मानकों को बढ़ावा देता है।
4. फ़र्स्ट नेशन्स के स्टेटस और अधिकारों को स्वीकारता है।
5. इतिहास की सच्चाई बताता है।
6. भविष्य में प्रगति को प्रतिबंधित नहीं करता है।
7. सुधार के अवसर को व्यर्थ नहीं जाने देता है।
8. फ़र्स्ट नेशन्स के साथ समझौते-करने की क्रियाविधि प्रदान करता है।
9. उसे फ़र्स्ट नेशन्स का समर्थन प्राप्त है।
10. सकारात्मक कानूनी व्यवस्थाओं में हस्तक्षेप नहीं करता है।

ये उलुरु स्टेटमेंट फ़्रॉम दि हार्ट के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। और अधिक जानकारी के लिए कृपया उलुरु संवाद (Uluru Dialogue) की वेबसाइट ulurustatement.org पर देखें या इंडिजिनस लॉ सेंटर यूएनएसडब्ल्यू को ilc@unsw.edu.au पर ईमेल लिखें।